

NEO CONVENT SR. SEC. SCHOOL
PASCHIM VIHAR-63

YOUR FUTURE NEEDS YOU



YOUR PAST DOESN'T

OCTOBER TO JANUARY

SPECTRUM- 2022-23

114TH EDITION



SPECTRUM
Of the Neonians!
By the Neonians!
For the Neonians!

Cycling not only makes a person healthy but it also makes the Mother Earth healthy too. Moreover there are innumerable benefits of cycling. It minimizes the risk of coronary heart diseases and provides protection from the clutches of heart problems. It also keeps blood pressure under control. Pursuing cycling helps a great deal in building your stamina. It is the most effective exercise to shed off those extra calories. By using bicycle for short trips, we can reduce the emission of pollutants into the air we breathe. So, we should cycle our way and give rest to those exhaust spitting demons and lead a happy and fit lifestyle.

Happy Cycling!

TEACHER FACILITATORS

MR. JAGMOHAN SHARMA, MRS. KANCHAN BHAGAT

MRS. SANTOSH, MRS. SURBHI HAJELA,

MRS. GEETIKA MANCHANDA, MR. MAYANK GROVER

OBSTACLES

*The Sun is Bright
Here ends the Night.
You overcame the obstacles,
faced difficulties
and now they are gone.
Your friends are on your side
They will help you all the time.
Here are more obstacles to go
So, face them with all your Might
And always choose the Right.*

ANANAYA PATI

CLASS- VII A

KUDOS TO THE CHAMP



*1st trophy- Rank 1 in Accuracy in Sr.
Level 4 exam.*

*2nd trophy- 7th prize in National Super
Champ.*

*3rd trophy- Speed Runner up in Abacus
Championship.*

*1st Gold Medal- Solving 3×3 Rubik's
Cube in 53 seconds.*

*2nd Gold Medal- Solving Brain Twister
Rubik's Cube 5 seconds.*

NAME- NAKSH DUA CLASS-VA

SCIENCE EXHIBITION



DIFFERENT SHADES OF LIFE

Different shades of sky represent different shades of life.

A single life, like a single sky.

*Consisting of as many people,
as clouds in the bonny celestial sphere,*

Who often lie... Special ones are like bright stars,

Finding them is like exploring life on Mars.

These must not be concerned about your scars,

As unbothered as clouds are about the Mars...

*The vultures and eagles are like unexpected
hustles that come in between the life,*

To go through them is like cheese being cut by a knife...

Some cuckoos sing melody of contentment,

Whereas doves sing love and amendments...

The serene breeze of chilled air feels like mom's lap,

And the hot loo feels like her slap!

Our pals are like the moon,

Being with them sometimes feel like being a loon..

By- Erica Saini

Class- XII-B

OUR PRESENCE ON FACEBOOK



The school has its page on the Facebook by the name of **"Neo Convent Sr. Sec. School"** Do follow it, like, comment and share.

सफलता की कुंजी

एक बार की बात है। एक बहुत ही समझदार ऋषि एक गाँव में आए। वे बहुत महाप्रतापी थे। उसी गाँव में एक ऐसा व्यक्ति रहता था, जो हर समय बहुत दुखी और उदास मिलता। सौभाग्य उसका कभी साथ न देता।

एक दिन जब उस व्यक्ति को पता चला कि एक बहुत ही महाप्रतापी ऋषि उसके गाँव में आए हैं, तो वह उनसे मिलने पहुँचा। उसने ऋषि को उसकी सारी समस्याएँ बताईं। ऋषि ने उसकी बातें ध्यानपूर्वक सुनकर उसे बहुत समझाया और मेहनती बनने के कई उपाय बताए परंतु उस इंसान पर कोई असर न हुआ। आखिर में उन ऋषि ने एक चुटकुला सुनाया, जिसे सुनकर उस व्यक्ति की हँसी न रुकी और वह जोर से हँस पड़ा। यह देखकर ऋषि भी थोड़ा मुस्कुराए परंतु उन ऋषि ने वह चुटकुला उस इंसान को दो-तीन बार सुनाया। दूसरी बार वह व्यक्ति थोड़ा-सा ही हँसा और तीसरी बार तो वह हँसा ही नहीं। यह देखकर ऋषि बोले, “देखा पुत्र! वह चुटकुला सुन तुम पहली बार तो हँसे परंतु जब वह चुटकुला मैंने दो-तीन बार और सुनाया, तो तुम्हें हँसी नहीं आई।

पुत्र! समझो। हमारा जीवन हमें बार-बार मौके नहीं देता। अगर हम एक ही चुटकले पर बार-बार नहीं हँस सकते, तो हम एक ही समस्या पर बार-बार क्यों रोते हैं? हमें मेहनती बन जीवन में सफलता प्राप्त करनी चाहिए। जीवन में आने वाली कठिनाइयों और असफलताओं को परे कर आगे बढ़ते रहना चाहिए तभी सफलता हमारे कदम चूमेंगी।

गगनप्रीत कौर- 'आठवीं ब'

CONGRATULATIONS



KANISHKA SHOKEEN

ON GETTING SELECTED
IN
COLLEGE OF FINE ARTS

**SEOUL NATIONAL UNIVERSITY,
SOUTH KOREA**



KANISHKA SHOKEEN
CLASS- XI-A

PUZZLES

1. CAN YOU FIND THE MITSAKE HERE??

1 2 3 4 5 6 7 8 9

2. WHAT KIND OF CUP DOESN'T HOLD WATER??

3. WHICH WORD IN THE DICTIONARY IS SPELLED INCORRECTLY?

4. GIVE ME FOOD AND I'LL LIVE. BUT IF YOU GIVE ME WATER I'LL DIE. WHAT AM I?

5. 2 SONS AND 2 FATHER GOES NEAR AN APPLE TREE TO GET SOME APPLES. EACH OF THEM TOOK ONE APPLE. HOW MANY APPLES DID THEY HAVE??

GUESS THE COUNTRY BY EMOJI

1.

J

+



2.



+



3.



+

A

ANSWERS

ANS.1 THE SPELLING (MITSAKE)

ANS.2 MAKEUP

ANS.3 THE WORD (INCORRECTLY)

ANS.4 FIRE

ANS.5 (3) BECAUSE THERE IS A LITTLE BOY, A FATHER AND A GRAND FATHER

ANS.6 1. JAPAN 2. BELGIUM 3. CHINA

BY: VAISHNAVI SINGH
CLASS: VIII A

WORKSHOPS ATTENDED BY TEACHERS



MRS. PRATIBHA MADAN
Career Guidance



MRS. SURBHI HAJELA
Gender Sensitivity in Schools



MRS. KOMAL SHARMA
Capacity Building
Programme for English Core



**MRS. KANCHAN BHAGAT
AND MS. VANI MAGGO**
Art Integration



MRS. POOJA BISHT
Inclusive Education



MRS. ASHU VERMA
Classroom Management



MRS. KARISHMA AHUJA
Learning Outcomes &
Pedagogies



MRS. DIVYA MISHRA
Experiential Learning



SPORTS WEEK



MOM

*Hearing my first cry
Saying you my first Hi
Laying with me on the hospital's bed
You cried as I cried.*

*I was your life then
And I am today
From every danger, you saved me
All that scared me.*

*Spending all your life, you made me
You treated me as a gardener treats his tree.
You spent with me a long time
As cute and soft as a slime.*

*You stood for me in queues and lines
You sang for me praising hymns
You bought me everything I wanted to be mine
You made me a star who wanted to shine.*

*Developing my personality
You left all your cruelty
I can't forget your contribution for my life
Because you only brought me to this beautiful life.*

*With my full love
I would like to serve
I walked and you clap
I would always like to sit in your lap.*

NAVNEET KAUR 9th C

YOUR CREATION

*It goes quick, live and love every moment,
Even if you are alone in a tent,
Flowers, a cup of tea and some books
are enough to give you contentment.*

*You are not alone, Almighty is with you,
just like a surveillance drone.
Don't add days to your life,
Add life to your days- copied right?*

*But we are never able to imbibe.
Try to indulge yourself in your tribe,
Try to give yourself bribe,
Bribe for burgeoning the greed to get success,
Get over everyone who tries to suppress.*

*One day they'll guess,
"Oh! Is he the same person we tried to depress.
Huh! We tried really hard, was it less?*

*Actually they helped you to reach your destination,
Helped you in the promotion,
Helped you in the preparation,
Preparation for your creation,
Creation of you who is not scared,
You the one who was strongly reared.*

*By- Erica Saini
Class- XII-B*

पाँच सौ रुपए

उस दिन ऑफिस में लगभग एक बजे थे ज्यादातर कर्मी चाय पीने में मस्त थे। कोई उस समय लंच कर रहा था तो कोई अपना अधूरा कार्य पूरा करने में व्यस्त था, या यूँ कहूँ कि सब किसी-न-किसी कार्य में व्यस्त थे। तभी एक दुबले-पतले नवयुवक ने ऑफिस में दस्तक दी।

नवयुवक कुछ थका माँदा-सा लग रहा था। वह अपने साथ कुछ बड़ी-बड़ी थैलियाँ लिए हुए था। उसने उन्हें खोलकर वहाँ बैठे सभी उपस्थित कर्मियों को कुछ दिखाना शुरू किया। दरअसल वह ड्राइंग की अभ्यास पुस्तिकाएँ बेच रहा था, जो सामान्य आकार से कुछ ज्यादा ही बड़ी थीं और उन पर सुंदर चित्र पहले से ही बने हुए थे। बच्चे उनमें रंग भरकर अपनी चित्रकारी के शौक को पूरा कर सकते थे। इन पर बड़े ही आकर्षक चित्र उकेरे गए थे, जिसे देखकर कोई भी उन पुस्तिकाओं की तरफ आकर्षित हुए बिना रह ही नहीं सकता था। वैसे भी घर में बालकों के लिए यह उपयोगी हो सकती हैं और बच्चे समय का सदुपयोग कर कुछ नया सीख सकने में भी सक्षम हो सकते हैं। यह सोच कुछ महिला कर्मियों ने इसे खरीदने की प्रबल इच्छा व्यक्त की थी। महिला कर्मियों की इस पहल को देखकर युवक के चेहरे पर खुशी छा गई। शायद वह यहाँ बड़ी उम्मीद के साथ आया था कि उसका सारा सामान बिक जाएगा। पुरुष कर्मियों ने इसके प्रति कोई रुचि नहीं दिखाई थी। खैर, सभी का खरीदारी में रुचि का विशेष क्षेत्र होता है, कोई कुछ बड़े चाव से खरीदता है तो किसी को उसमें रत्ती भर भी रुचि नहीं होती। रेणुका जी ने भी इन पुस्तकों को खरीदने में बड़ी रुचि दिखाई थी और उसी समय उन्हें ले लेने का मन सरिता जी ने भी बना लिया था। दोनों ने इन्हें खरीदने के लिए आपसी चर्चा भी की थी। उन्होंने नवयुवक से ड्राइंग की इस पुस्तिका के दाम पूछे तो उसने तीन पुस्तकों के पाँच सौ रुपए बताए। रेणुका जी इन्हें लेना तो चाहती थीं परंतु उन्हें इनके दाम कुछ ज्यादा महसूस हुए। अब उन्होंने युवक के साथ मोल-भाव करना शुरू किया जो एक खरीददार का अधिकार भी होता है। इससे नवयुवक के चेहरे पर मायूसी के भाव उभर आए थे। खैर, मेरी दोनों सहकर्मियों ने इन तीनों पुस्तकों के तीन सौ रुपए देने को कहा। अब बारी उस नवयुवक की थी कि उसे पुस्तिकाएँ इस दाम में बेचनी हैं या नहीं। उसे न जाने क्या सूझी! उसने झट से बिल की रसीद काटकर रेणुका जी के हवाले कर दी थी। मैडम ने बिल देखा तो वे बड़ी विस्मित हुईं, क्योंकि उसमें पाँच सौ रुपए ही दर्शाए गए थे। वे कहने लगीं, "हम इस दाम पर तो ये नहीं खरीदेंगे। यदि आपको इन्हें तीन सौ रुपए में देना है तो दो। वरना अपना यह बिल पकड़ो।" यह कहकर उन्होंने बिल की रसीद लड़के के हाथों में थमा दी।

सहसा नवयुवक का चेहरा मुरझा गया। वह अपने होठों पर जीभ फिराने लगा और उसने माथे पर हाथ घुमाया और कहा, "मैडम"! मैंने तो पाँच सौ रुपए में ही देने की बात की थी।" परंतु मेरी सहकर्मी अपने कथन पर अडिग थीं और यह सच भी था कि उन्होंने तीन

सौ रुपए में देने की बात कही थी। इसलिए उन्होंने कटा हुआ बिल उसे वापिस कर दिया था। नवयुवक ने बिल काटने के बाद सामान न लेने से अपने नुकसान होने की बात कही। उसने उदासी भरे चेहरे से कहा, “मैडम! मैं तो केवल सेल्स बॉय हूँ। मालिक तो कोई और है। बिल कट चुका है, ले लीजिये ना। वरना मालिक मेरे पैसे काट लेगा।” यह कहते हुए उसके चेहरे पर लाचारी के भाव सरल रूप से दिख रहे थे। रेणुका जी कहने लगी, “यह तो सरासर धोखाधड़ी है। कोई इस तरह थोड़े ही न करता है। कुछ सहकर्मी पुरुष भी अब तक इस मामले में कूद चुके थे। उन्हें वह सामान भले ही न लेना था लेकिन वे तुरंत ही पंच परमेश्वर की भूमिका में आ गए थे। मैं भी वहीं बैठी यह सब नज़ारा देख रही थी। मेरा मौन और सहानुभूति उस नवयुवक के साथ थी। वैसे एक बार तो मुझे भी लगा कि यह इसकी सामान बेचने की कोई अदायगी हो सकती है। लेकिन उसके मुँह की तरफ़ देखा तो वह एकदम भोला-भाला सा नज़र आ रहा था। मुझे नहीं लगा कि वह चालाकी कर सकता है। इसलिए मैंने मन-ही-मन उसकी तरफ़दारी की और साथ ही उसका माल बिकने की प्रार्थना की। अब गेंद दोनों मैडम के पाले में आ गिरी थी। अब जो करना था, उन्हें ही तो करना था बाकि सब उपस्थित जन वर्तमान पल को बड़ी उत्सुकता और जिज्ञासा से जी रहे थे। मैं निर्निमेष उस नवयुवक की तरफ़ ही देखे जा रही थी। बीच-बीच में रेणुका जी और सरिता जी की तरफ़ भी आशा भरी निगाहों से देखा। अब इस मामले का निबटारा कैसे होगा? मेरी यह जिज्ञासा अब बड़ी तीव्र हो चली थी। अंत में वही हुआ जो मेरी अभिलाषा थी। रेणुका जी को उस नवयुवक पर दया आ गई। वे बोलीं, “आपने ठीक तो नहीं किया लेकिन हम ले लेते हैं। परंतु आगे से कभी ऐसा मत करना। इस गरीब का भला हो जाएगा।— यह सोच सरिता जी ने भी हामी भर दी। उन्होंने पुस्तिकाएँ पाँच सौ रुपए में खरीद लीं। नवयुवक की बाछें खिल गईं। वह अपनी चीज़ की बिक्री में सफल रहा। अब उसने जानबूझकर ऐसा किया या सुनने में कोई चूक हुई यह तो वह जानता है या फिर भगवान। उसने फुर्ती से ड्राइंग की तीन अभ्यास पुस्तिकाएँ उन्हें दीं और पाँच सौ रुपए का नोट जेब में डालकर धन्यवाद की मुद्रा में गर्दन हिलाकर तत्काल वहाँ से चला गया था। हम सब उसे जाते हुए देख रहे थे।

मैं रेणुका जी की इस दयालुता पर गदगद थी क्योंकि वे पूर्ण रूप से मान चुकी थीं कि यह इसकी चालाकी हो सकती है, फिर भी उस नवयुवक पर उन्हें तरस आ गया था। ये उनकी श्रेष्ठता ही थी, जो उन्होंने उस पर शंका करते हुए भी उसकी आर्थिक स्थिति का ध्यान रखते हुए उससे ड्राइंग पुस्तिकाएँ ले ली थी। वहाँ उपस्थित सभी कर्मी फिर अपने कार्यों में पहले की भाँति व्यस्त हो गए थे।

प्राचिता यादव— 'नवमीं स'

FUN ACTIVITIES



भगवान विष्णु जी के दस अवतार

अब तक हमने विष्णु जी के तीन अवतारों के बारे में पढ़ा है। आज हम भगवान श्रीहरि के चौथे अवतार के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।

नरसिंह अवतार – ग्रंथों के अनुसार भगवान विष्णु के चौथे अवतार नरसिंह भगवान थे। इस अवतार में लक्ष्मीपति नर-सिंह मतलब आधे मनुष्य व आधे शेर बनकर प्रकट हुए थे। इसमें भगवान का चेहरा शेर का था और शरीर इंसान का था। असुर राजा हिरण्यकश्यप के शासन को समाप्त करने और पृथ्वी पर शांति, व्यवस्था और धार्मिकता स्थापित करने के लिए विष्णु जी ने अपना चौथा अवतार लिया था।

हिरण्यकश्यप एक दैत्य था। उसने लगभग सौ वर्षों तक ब्रह्मा जी की कठिन तपस्या की जिसके फलस्वरूप उसने ब्रह्मा जी से यह वर माँगा कि उसकी मृत्यु ब्रह्मा जी के बनाए हुए किसी भी प्राणी से ना हो, फिर चाहे वह मनुष्य हो या पशु। इसके साथ उसकी मृत्यु ना अस्त्र से हो ना शस्त्र से, ना दिन वा ना रात, ना भवन के बाहर ना ही अंदर, ना भूमि ना आकाश में हो। इस वरदान को पाकर वह अत्यंत शक्तिशाली हो गया।

हिरण्यकश्यप की पत्नी का नाम कयाधु। जब वह ब्रह्मा जी की कठिन तपस्या में लीन था तब उसके राज्य पर देवताओं ने आक्रमण करके वहाँ अपना शासन स्थापित कर लिया था, तब देवर्षि नारद मुनि ने कयाधु की रक्षा की थी और उसे अपने साथ अपने आश्रम ले आए थे। वहीं पर उनके पुत्र प्रह्लाद का जन्म हुआ था। देवर्षि नारद मुनि की संगत में रहने के कारण प्रह्लाद विष्णु भगवान का भक्त बन गया।

ब्रह्मा जी से यह वर पाकर हिरण्यकश्यप ने तीनों लोकों पर अधिकार कर लिया तथा इंद्र का आसन भी छीन लिया। अब वह स्वयं को भगवान मानने के लिए लोगों को बाध्य करने लगा था और जो यह नहीं मानता था वह उनकी हत्या करवा देता था लेकिन उसका पुत्र प्रह्लाद भगवान विष्णु की भक्ति में लीन रहता। हिरण्यकश्यप ने उसे बहुत समझाया, धमकियाँ दी लेकिन जब वह नहीं माना तो उसने उसकी हत्या के कई षडयंत्र रचे। जैसे- साँपों से भरे कक्ष में रखना, हाथियों के पैरों के सामने फेंकना, पर्वत से गिराना, अग्नि में जलाना इत्यादि सम्मिलित था किंतु हर बार प्रह्लाद की भगवान विष्णु के द्वारा रक्षा कर ली जाती थी।

भगवान विष्णु बैकुंठ में बैठे अपने भक्त प्रह्लाद पर यह सब अत्याचार होते हुए देख रहे थे और उनका क्रोध बढ़ता जा रहा था। एक दिन हिरण्यकश्यप ने प्रह्लाद से भगवान विष्णु के होने का प्रमाण माँगा, तब प्रह्लाद ने कहा कि वह तो कण-कण में हैं। इस पर हिरण्यकश्यप ने एक स्तंभ की ओर इशारा करते हुए कहा कि क्या इसमें भी है? तब प्रह्लाद ने हाँ में उत्तर दिया। यह सुनकर हिरण्यकश्यप को क्रोध आ गया और उसने वह स्तंभ तोड़ डाला। जैसे ही वह स्तंभ टूटा उसमें से भगवान विष्णु नरसिंह अवतार में प्रकट हुए जिनका आधा

शरीर सिंह का था व आधा मनुष्य का। उन्होंने हिरण्यकश्यप को उसके भवन की चौखट पर ले जाकर, संध्या के समय, अपनी गोद में रखकर नाखूनों की सहायता से उसका वध किया। इस प्रकार नरसिंह अवतार में उन्होंने अपने भक्त प्रह्लाद की रक्षा के लिए उसके पिता राक्षस हिरण्यकश्यप के वरदान की काट को ढूँढकर मारा था।

इस प्रकार भगवान ने एक और अवतार लेकर अधर्म का नाश किया और धरती पर धर्म की स्थापना की।



बसंत पंचमी

बसंत पंचमी भारतीयों का एक प्रसिद्ध त्योहार है। यह त्योहार हर साल माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन माँ सरस्वती का जन्म हुआ था और इस दिन के साथ ही बसंत ऋतु की शुरुआत होती है। माँ सरस्वती विद्या, संगीत की देवी मानी जाती है। बसंत पंचमी के दिन माँ सरस्वती की विधि-विधान से पूजा की जाती है। यह पर्व पूर्वी भारत, पश्चिमोत्तर बांग्लादेश, नेपाल आदि कई राष्ट्रों में बड़े **हर्षोल्लास** के साथ मनाया जाता है। इस दिन पीले वस्त्र धारण करते हैं। खेलों में इस समय सरसों के पीले-पीले फूल खिले होते हैं, जो इस पर्व की शोभा में चार चाँद लगा देते हैं।

प्रणो देवी सरस्वती वाजेभिर्वजिनीवती
धीनामणित्रयवतु ॥

ये परम चेतना है। सरस्वती के रूप में ये हमारी बुद्धि, प्रज्ञा तथा मनोवृत्तियों की संरक्षिका है। हममें जो आचार और मेधा है उसका आधार भगवती सरस्वती ही है। इनकी समृद्धि और स्वरूप का वैभव अद्भुत है। पुराणों के अनुसार श्रीकृष्ण ने सरस्वती से प्रसन्न होकर उन्हें वरदान दिया था कि बसंत पंचमी के दिन तुम्हारी आराधना की जाएगी, तभी से यह पर्व मनाया जाता है।



REPUBLIC DAY



*Freedom in the mind,
Strength in the words,
Purenness in our blood,
Pride in our souls,
Zeal in our hearts,
We salute our
India on this*



REPUBLIC DAY



FAREWELL



BATCH OF 2022-23



NEO CLUB



READERS' HIVE CLUB



DRAMATICS CLUB



SCIENCE CLUB



COMMERCE CLUB



COMPUTER CLUB



SPIC AND SPAN CLUB



ENVIRONMENTAL CLUB

